रोज उठा कचरा, तब मिला स्वच्छ भोपाल का तमगा

तीन छलांग लगाकर भोपाल पहुंचा नंबर दो स्थान पर, भोपाल अब देश का दूसरा सबसे साफ शहर घोषित

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 17 जुलाई. स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में भोपाल का दबदबा देश में बरकरार रहा. भोपाल अब देश का दूसरा सबसे साफ शहर घोषित है. दूसरा स्थान प्राप्त करने के लिए भोपाल को इस बार तीन स्थान की छलांग भी लगानी पड़ी. स्वच्छता अभियान पुरस्कार के लिए भोपाल को 12067 अंक प्राप्त हुए हैं.

भोपाल को यह पुरस्कार दिलाने के लिए निगम कर्मचारियों के साथ ही शहरवासियों की भी सहभागिता रही. निगम की कचरा गाड़ी डोर टू डोर पहुंच कर हर रोज औसतन साढ़े चार सौ टन कचरा उठाती है. जिसमें सैनेटरी वेस्ट 5 टन और प्लास्टिक का कचरा 52 टन के करीब निकलता है. ई-वेस्ट करीब 1.5 टन कचरा हर रोज निकलता है.

राजधानी में हर दिन 850 टन सूखा और गीला कचरा निकलता है. वर्तमान समय में 517 डीटीडीसी व्हीकल, 719 सीएनजी व्हीकल के साथ ही साथ 202 रोड स्वीपिंग व्हीकल हर रोज गीला और सूखा कचरा एकत्रित कर उसे निष्पादन केंद्र तक पहुंचाते हैं. देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में भोपाल को सम्मानित किया. पुरस्कार लेने के लिए भोपाल की महापौर मालती राय और निगम आयुक्त हरेंद्र नारायण कार्यक्रम में शामिल हुए.

नेता प्रतिपक्ष ने स्वच्छता पुरस्कार मिलने पर जताई खुशी

मप्र विधान सभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने प्रदेश के शहरों को स्वच्छता पुरस्कार मिलने पर खुशी जाहिर की है. सिंघार ने कहा है कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में शानदार प्रदर्शन के लिए सभी नगरीय निकायों, सफाई सैनिकों और जागरूक नागरिकों को हार्दिक बधाई. उन्होंने कहा कि इंदौर ने एक बार फिर सुपर स्वच्छ लीग सिटीज में शीर्ष स्थान प्राप्त कर अपनी श्रेष्ठता को साबित किया है. भोपाल ने राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा स्थान हासिल कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है. वहीं जबलपुर, ग्वालियर और अन्य शहरों ने भी विभिन्न श्रेणियों में बेहतरीन प्रदर्शन कर सराहना पाई है. नेता प्रतिपक्ष ने कहा है कि उज्जैन को 3-10 लाख की आबादी वाले शहरों में देश का सर्वश्रेष्ठ शहर घोषित किया गया, यह हम सभी के लिए गर्व की बात है. उन्होंने कहा कि यह उपलब्धियां केवल आंकड़े नहीं हैं, यह प्रदेशवासियों के समर्पण, मेहनत और जिम्मेदारी का प्रमाण हैं. प्रदेश की जनता को धन्यवाद, जिन्होंने मिलकर प्रदेश का मान बढ़ाया.

भोपाल स्टेशन पर मानसिक विक्षिप्त का हंगामा

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 17 जुलाई. आरपीएफ के जवान ने भोपाल रेलवे स्टेशन पर गुरूवार को एक मानसिक रूप से असंतुलित व्यक्ति को पकड़ कर उसकी मां के हवाले किया. स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक जब व्यक्ति यात्रियों से उलझ रहा था. तभी ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ आरक्षक रामबाबू द्वारा ने उसे समझाने का प्रयास किया, तो उसने उनके साथ भी बहस करते हुए हंगामा खड़ा कर दिया.

रेलवे के कर्मचारियों ने परिजन को सौंपा

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए आरपीएफ आरक्षक ने तत्काल उप निरीक्षक रविंद्र सिंह को सूचित किया. उप निरीक्षक ने तुरंत घटनास्थल पर पहुँचकर स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया. जब स्थिति पर पूर्ण नियंत्रण नहीं पाया जा सका, तो आरपीएफ निरीक्षक को अवगत कराया गया, जिन्होंने मौके पर पहुंचकर स्थिति को शांत किया.

पूछताछ के दौरान युवक ने अपना नाम भारत बताया और कहा कि उसकी माता कमला देवी, बीना में गैंगमैन के पद पर कार्यरत हैं. भारत ने अपनी माता का मोबाइल नंबर दिया. जिस पर संपर्क करने पर उसकी माता कमला देवी से बात की गई और उन्हें आरपीएफ पोस्ट भोपाल बुलाया गया. जिसके पश्चात मानसिक रूप से असंतुलित युवक भारत (उम्र 33 वर्ष) को विधिवत प्रक्रिया के तहत उनकी माता के सुपुर्द कर दिया गया.

अनूप श्रीवास्तव बने संघ के प्रांतीय कार्यवाहक अध्यक्ष

भोपाल 17 जुलाई. अखिल विश्व सत्य सनातन संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदित सिंह भदौरिया ने उड़ीसा प्रांत का अनूप श्रीवास्तव को प्रांतीय कार्यवाहक अध्यक्ष मनोनीत किया है. अनूप श्रीवास्तव सनातनी व्यक्ति हैं. पूर्व से ही प्रांत के कई क्षेत्रों में सनातन का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं. उन्हें उड़ीसा के 30 जिलों में शीघ्र ही कार्यकारिणी का विस्तार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है.

3000 करोड़ किसकी जेब में गए?

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 17 जुलाई. मप्र विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने गुरूवार को घोटालों का मुद्दा उठाया. सिंघार ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में हजारों करोड़ों के घोटाले हो रहे हैं.

नेता प्रतिपक्ष ने घोटालों का उठाया मुद्दा

उन्होंने कहा कि राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण द्वारा 400 से अधिक परियोजनाओं की फाइलों को नियमों को ताक पर रखकर स्वीकृति दी गई. उमंग सिंघार ने कहा कि सरकार किसानों को लेकर कभी गंभीर नहीं रही. किसान संघ भी किसानों की समस्याओं पर गायब हो जाता है. उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता को बताया जाना चाहिए कि सरकार ने अब तक कितना खाद आयात किया है. सिंघार ने मुख्यमंत्री से अपील करते हुए कहा कि कृपया किसानों का दर्द समझिए. नेता प्रतिपक्ष ने मांग की कि नवनीत कोठारी और शुक्ला के कार्यकाल की जांच होनी चाहिए. उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को हम विधानसभा में भी उठाएंगे. उन्होंने कहा कि कांग्रेस की नई सोच-नई रणनीति, मिशन 2028 और राज्य की जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर कांग्रेस पार्टी की ओर से विधायकों का नव संकल्प शिविर आयोजित किया जा रहा है. यह शिविर 21 और 22 जुलाई को मांडव, जिला धार में आयोजित होगा, जिसमें दिल्ली से वरिष्ठ कांग्रेस नेता वर्चुअल रूप से जुड़ेंगे.

उमंग सिंघार ने कहा कि सरकार किसानों को लेकर कभी गंभीर नहीं रही. किसान संघ भी किसानों की समस्याओं पर गायब हो जाता है. उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता को बताया जाना चाहिए कि सरकार ने अब तक कितना खाद आयात किया है. सिंघार ने मुख्यमंत्री से अपील करते हुए कहा कि कृपया किसानों का दर्द समझिए. नेता प्रतिपक्ष ने मांग की कि नवनीत कोठारी और शुक्ला के कार्यकाल की जांच होनी चाहिए. उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को हम विधानसभा में भी उठाएंगे. उन्होंने कहा कि कांग्रेस की नई सोच-नई रणनीति, मिशन 2028 और राज्य की जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर कांग्रेस पार्टी की ओर से विधायकों का नव संकल्प शिविर आयोजित किया जा रहा है. यह शिविर 21 और 22 जुलाई को मांडव, जिला धार में आयोजित होगा, जिसमें दिल्ली से वरिष्ठ कांग्रेस नेता वर्चुअल रूप से जुड़ेंगे. चीफ सेक्रेटरी ने मीटिंग क्यों नहीं बुलाई, क्यों नवनीत कोठारी ने श्रीमन शुक्ला के कहने पर अनुमति दी. उद्योगपतियों से 3 से लेकर 5 करोड़ रुपए वसूले गए. ऐसे में 2000 से 3000 करोड़ रुपए किसके पास गए. मुख्यमंत्री ने नवनीत कोठारी और शुक्ला को पद पर बैठाया. वह बताएं कि यह पैसा कहां गया और एसईआईएए की मीटिंग पिछले 4-6 महीने में क्यों नहीं आयोजित की गई.

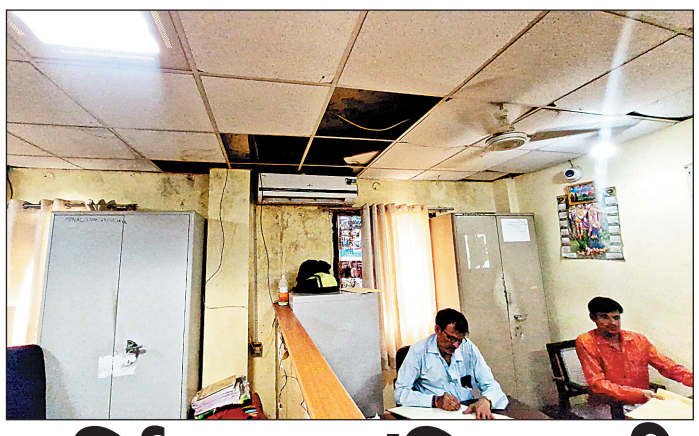

नर्सिंग काउंसिल की गिरी फालसिलिंग

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 17 जुलाई. नर्सिंग काउंसिल की गिरी फालसिलिंग को लेकर एनएसयूआई ने चिंता जताई है. एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने बताया कि नर्सिंग काउंसिल भोपाल के गोमतिका परिसर के तृतीय तल पर संचालित है जहां की छत की फालसिलिंग गिर कर टूट गई और बचीं हुए फालसिलिंग की भी हालात जर्जर हो रहीं किसी भी दिन कोई बड़ा हादसा हो सकता.

एनएसयूआई ने उठाया सुरक्षा का मुद्दा

रवि परमार ने कहा कि नर्सिंग काउंसिल में नर्सिंग घोटाले के मुकदमों की पैरवी के नाम पर करोड़ों रुपये अधिवक्ताओं को मनमाने तरीके से भुगतान कर दिए गए, लेकिन वहीं काउंसिल में कार्यरत 30 से अधिक कर्मचारियों की सुरक्षा और कार्यालय के मेंटेनेंस की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है. परमार ने कहा कि कार्यालय बहुत ही बदहाल स्थिति में हैं कर्मचारी जानलेवा फाल सीलिंग के नीचे बेठ कर काम करने को मजबूर हैं, जोकि कभी भी बड़ी दुर्घटना का कारक हो सकती है.

संगठन के जिलाध्यक्ष अक्षय तोमर ने आरोप लगाया कि नर्सिंग काउंसिल के अकाउंट सेक्शन में बैठे लेखापाल राहुल सक्सेना मनमर्जी से अधिवक्ताओं को मोटी रकम और फर्जी बिलों का भुगतान कर रहे हैं, लेकिन कार्यालय के मेंटेनेंस के लिए इनके पास कोई फंड नहीं होता. राहुल सक्सेना के खिलाफ महिला अपराध में टीटी नगर थाने में एफआईआर दर्ज है, और मामला न्यायालय में विचाराधीन है। इसके बावजूद उन्हें नर्सिंग काउंसिल जैसे महत्वपूर्ण स्थान पर बैठाए रखा गया है.

आयुष कर्मियों के साथ न्याय नहीं

अब राज्य कर्मचारी संघ लड़ेगा इन सेवकों की लड़ाई

भोपाल 17 जुलाई. आयुष विभाग में अधिकारियों के मनगढ़त कारनामों के कारण सेवकों में आंदोलन की चिंगारी तैयार हो रही है. विभाग में डेढ़ हजार से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं इनमें से सिर्फ 50 को नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठ दी गई है.

सवाल यह है कि अकेले 50 पर ही रहम क्यों है. कोर्ट का आदेश लेकर अन्य कर्मचारी भी आए हैं. जिसकी प्रति भी विभाग में जमा करवा दी गई है. फिर उनके साथ अन्याय क्यों हो रहा है. कर्मचारियों का आरोपित अधिकारी मुख्यमंत्री की छवि को बर्बाद कर रहे हैं. मध्य प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष एसबी सिंह का कहना है कि विभाग में सभी कर्मचारियों को नियुक्ति दिनांक से नियमितकरण का लाभ मिले. इसके लिए हम निरंतर प्रयास कर रहे हैं. पिछले साल परामर्शदात्री समिति की बैठक में भी यह मुद्दा उठा चुके हैं. सिंह का कहना है कि सभी कर्मचारियों के साथ नैसर्गिक न्याय होना चाहिए. यह कर्मचारी पूरी मेहनत से आयुर्वेद औषधालयों में जनता की सेवा कर रहे हैं. उनके साथ न्याय होना चाहिए.

मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विश्वजीत सिंह सिसोदिया का कहना है कि संगठन स्टेट प्रेसिडेंट रहते हुए उन्होंने इन कर्मचारियों की मांग प्रमुखता से उठाई है. नियुक्ति दिनांक से जिन्हें नियमितीकरण किया जा रहा है. उसमें लेनदेन के आरोपी की ऐसी सूचना विभाग के ही कुछ अधिकारी कर्मचारियों द्वारा दी गई है. सिसोदिया का कहना है कि जितने कर्मचारी कोर्ट से आदेश लेकर आए. उन सभी को यह लाभ मिलना चाहिए.

शराब की दुकानें बनीं सिरदर्द

जूनियर रिपोर्टर

भोपाल, 17 जुलाई. शहर में शराबियों का आतंक बढ़ता ही जा रहा है. आए दिन शराब पीकर गाड़ी चलाना, महिलाओं से छेड़छाड़, अभद्रता फलाना शराबियो के लिए आम बात हो गई है. शहर के रिहाइसी इलाको मे खुली शराबा की दुकाने भी इन हरकतो का बड़ा कारण है.

महिलाएं असुरक्षित

राजधानी के भदभदा रोड बरखेड़ी में स्थित साक्षी ढाबा के सामने बनी शराब की दुकान स्थानीय लोगों के लिए सिरदर्द बनती जा रही है. रोजाना यहां शराब के नशे में लोग सड़क पर हंगामा करते नजर आते हैं, जिससे आम नागरिक खासकर महिलाओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. ढाबे के पास स्थित केरवा डैम है, जहां इन शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है. नशे में धुत होकर ये लोग न केवल हुड़दंग मचाते हैं, बल्कि राह चलती लड़कियों से छेड़छाड़ और बदतमीजी भी करते है. कई बार ऐसे मामलों की शिकायतें पुलिस को दी गई हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई है.

स्थानीय लोगों ने बताया कि डैम के किनारे सुरक्षा इंतजाम न होने के कारण कई बार नशे में धुत लोग हादसों का शिकार हो जाते है रात के समय ये इलाका न केवल लड़कियों के लिए बल्कि रिहाइसी लोगो के लिए भी सुरक्षित नही है. लोगों की मांग है कि प्रशासन इस क्षेत्र में शराब की दुकान को हटाए शराबियों पर कठोरता से कारवाही करे. डेम क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करे, जिससे ऐसी घटनाओं पर लगाम लगाई जा सके.

भारत की गौरवशाली संस्कृति गुरु परंपरा आधारित : राठौर

भोपाल, 17 जुलाई. भारत सरकार द्वारा संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय भोपाल में भारत की गौरवशाली संस्कृति परंपरा पर आधारित गुरु वंदना कार्यक्रम किया गया.

कार्यक्रम में प्रदेश शिक्षक संघ के प्रांताध्यक्ष डॉ छात्रवीर सिंह राठौर ने कहा कि भारत देश की संस्कृति गुरु परंपरा पर आधारित है. यहां कि शिक्षा नैतिक मूल्य आधारित रीतियां और परंपराओं ने मानव मात्र के कल्याण को ध्यान में रखकर कार्य किए जाते थे. नोबल पुरुस्कार से सम्मानित डॉ सीवी रमन के कार्य निष्ठा, आचार्य चाणाक्य के कार्य व महर्षि वेद व्यास पर आधारित कार्यों को अपनाकर ही भारत को विश्व मे प्रतिष्ठित किया जा सकता है. कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि जिला परियोजना समन्वयक डॉ रामकिशोर यादव आदि ने भी भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित शिक्षा के महत्व पर जोर दिया.

डॉ राठौर ने कहा कि हमारे देश की परंपरा सर्वे भवंतु सुखिन की रही है. जिसे आज के समय में चरितार्थ करने की आवश्यकता है. इस कार्य को पूर्ण करने के लिए आज के नौनिहालों को गौरवशाली भारत की संस्कृति को जानने की आवश्यकता है.

वंचितों, पिछड़ों और शोषितों की आवाज है कांग्रेस

बेंगलुरु में ओबीसी एडवाइजरी काउंसिल की बैठक में शामिल हुए अरुण यादव

भोपाल, 17 जुलाई. मप्र कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अरुण यादव ने गुरुवार को बेंगलुरु में आयोजित ओबीसी एडवाइजरी काउंसिल की बैठक में भाग लिया. यादव ने बैठक में लिए गए प्रस्तावों को सामाजिक न्याय की दिशा में मील का पत्थर बताया.

यादव ने जानकारी दी कि बैठक में 25 जुलाई को आयोजित होने वाले ओबीसी महासम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया गया. जिसका उद्घाटन कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा किया जाएगा. समापन अवसर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा किया जाएगा. इसके साथ ही देशभर के राज्यों की राजधानियों में भी ओबीसी

नेताओं के साथ नियमित कार्यशालाएं आयोजित करने का निर्णय लिया गया. इन कार्यशालाओं में ओबीसी समुदायों के मुद्दे, अधिकार और जातिगत जनगणना पर विस्तार से चर्चा की जाएगी. बैठक में ओबीसी समुदायों से संगठनात्मक और चुनावी दोनों स्तरों पर कांग्रेस नेतृत्व को मजबूत करने का लक्ष्य तय किया गया. इसमें पार्टी कार्यकर्ताओं को सामाजिक न्याय और समावेशी विचारधारा के प्रचार-प्रसार के लिए प्रशिक्षण देने की योजना पर भी सहमति बनी. यादव ने आगे बताया कि कांग्रेस पार्टी सदैव वंचितों, पिछड़ों और शोषितों की आवाज रही है. ओबीसी समाज को उसका हक दिलाने के लिए कांग्रेस पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है. यह महासम्मेलन और प्रस्ताव देश की राजनीति को सामाजिक न्याय के मूल आधार पर पुन: स्थापित करेंगे.

अव्यवस्था नेताओं ने खूब किए सड़क बनाने के वादे, अधिकारियों ने गड्ढे तक नहीं भरे

गड्ढे और कीचड़ ने आवाजाही को बना दिया मुश्किल

जूनियर रिपोर्टर

भोपाल, 17 जुलाई. राजधानी की रिहाइसी कॉलोनियों में सड़कों की हालत दिनोंदिन खराब होती जा रही है. खासकर बरसात के मौसम में यह समस्या और भी भयानक हो जाती है. जगह-जगह गड्ढों और कीचड़ से भरी सड़कों पर न सिर्फ जाम लगता है बल्कि आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता है.

नेता भी चुनाव के समय सड़क बनाने का वादा करते है फिर भूल जाते है. इस कारण रिहाइसी लोगों को आए दिन कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है. शहर का एक ऐसा ही इलाका है साक्षी नगर, जहाँ की सड़कों की बदहाली ने आम जनता का जीना मुश्किल कर दिया है. नीलबड़ के वार्ड 26 में आने वाला साक्षी नगर की सड़क इतनी बुरी हालत में है कि लोगों का यहां चलना भी मुश्किल हो गया है. यहां की सड़क इतनी खराब हो चुकी है कि उस पर पैदल चलना तो दूर कोई खड़ा भी नहीं हो सकता. जगह-जगह गड्ढे, कीचड़ और जलभराव ने आम जनता के लिए रोजमर्रा की आवाजाही को बेहद मुश्किल बना दिया है. ये कहना गलत नही होगा की उस जगह पर सड़क नही प्रशासन द्वारा किया गया

मजाक है बारिश में सड़क ने दलदल का रूप ले लिया है. रिहाइसी इलाके में इतने बड़े बड़े गड्ढे है कि सड़क तो नज़र ही नही आती हर जगह गंदगी ही फेली रहती है. इलाके मे गिर्ल्स हॉस्टल है, जहा लड़किया आए दिन उन गड्ढों का शिकार हो जाती है. स्थानीय लोगो की माने तो जब से ये कालोनी बनी है तब से ही इस सड़क को बनाया नही गया. इसके कारण लोगो सालों से गड्ढों में सड़क ढूंढ रहे है. निवासी देवनाथ सिंह का कहना है कि वो 2008 से यहा रह रहे है, उन्होंने कई पार्षद को बदलते देखा पर किसी ने भी सड़क नही बनवाई, उन्होंने बताया कि सड़क चलने लायक भी नही है आए दिन वो किसी ना किसी को सड़क मे फिसलते देखते है. उन्हे डर है कि कोई बड़ी दुर्घटना ना हो जाए. नगर निगम और स्थानीय प्रशासन से बार-बार शिकायत करने के बाद भी अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है.

कांग्रेस ने की लोगों की सुरक्षा के लिए गड्ढे की पूजा

एमपी नगर स्थित ज्योति टॉकीज चौराहा पर गुरूवार को दोपहर में अचानक सड़क धंसने की घटना हुई. घटना की जानकारी मिलने पर कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला ज्योति टॉकीज चौराहा पर पहुंचे और आम लोगों की सुरक्षा के लिए गड्ढे की पूजा अर्चना की. इसके बाद वे गड्ढे में नीचे भी उतर गए. मनोज शुक्ला ने कहा कि 90 डिग्री के ऐशबाग आरओबी के बाद यह घटना पीडब्ल्यूडी में भ्रष्टाचार का जीता जागता सबूत है. पूरे शहर में सड़कों पर गड्ढे हो रहे हैं और अफसर केवल खानापूर्ति कर रहे हैं. उन्होंने ज्योति टॉकीज में सड़क धंसने की जांच कराने और जिम्मेदारों को सस्पेंड कर उनसे खर्चा वसूलने की मांग की है. इस अवसर पर तारिक अली, बृजेन्द्र शुक्ला, अमित खत्री, राजकुमार राय, मुजाहिद सिद्दीकी, संदीप सरवैया, फ़ैज़ान ख़ान, सुशील ठाकुर, अमजद लाला, शानू ख़ान आदि मौजूद रहे. बता दें किव्यस्ततम चौराहे पर हुई अचानक सड़क धंसने से कोई हताहत नहीं हुआ है.